ज्ञानदीप

अंक 103

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन
To Beam As A Beacon of Knowledge

भारत सरकार
रेल मंत्रालय
भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे – 411 001
(आई.एस.ओ. : 9001–2008 प्रमाणित भारतीय रेल का प्रथम केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थान)
Government of India
Ministry of Railways
INDIAN RAILWAYS INSTITUTE OF CIVIL ENGINEERING PUNE 411001
(Indian Railways First ISO-9001-2008 Certified Centralized Training Institute)

संस्थान – डी ओ टी (020) 26126816, 26123436
रेलवे : 62731

छात्रावास – डी ओ टी
(020) 26130579, मो 7420041134
रेलवे : 62101, 62158

फैक्स : 020-26128677 रेलवे : 55860
ई–मेल : iricenmail@iricen.railnet.gov.in
वेबसाईट : www.iricen.gov.in

वर्ष – 27 जनवरी–मार्च 2024

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन To Beam as a Beacon of Knowledge

इस अंक में

1. मुख्य रेलपथ इंजीनियरों का सेमिनार
2. मुख्य पुल इंजीनियरों का सेमिनार
3. संस्थान में गणतंत्र दिवस का आयोजन
4. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 159वीं बैठक
5. संस्थान में 'हास्य कवि सम्मेलन' का आयोजन
6. 'पुण्य भूमि भारत की पहचान' पर एसएसटीडब्ल्यू में व्याख्यान
7. निकट भविष्य में आयोजित विशेष पाठ्यक्रम
8. रेल मंत्रालय, रेलवे बोर्ड द्वारा लागू विभिन्न प्रोत्साहन / पुरस्कार योजनाएं
9. स्वागत एवं विदाई
10. कार्यालयीन उपयोग हेतु सामान्य टिप्पणियां

ज्ञानदीप 25 वर्ष रजत जयंती वर्ष 1997-2022

1. मुख्य रेलपथ इंजीनियरों का सेमिनार

संस्थान में दिनांक 22 एवं 23 फरवरी, 2024 को श्री एस. के. झा, महानिदेशक की अध्यक्षता में मुख्य रेलपथ इंजीनियर सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में श्री जी. एल. गोयल प्रधान कार्यकारी निदेशक / सिविल इंजीनियरिंग (परियोजना), रेलवे बोर्ड, श्री संजय कुमार श्रीवास्तव, प्रधान कार्यकारी निदेशक/ अवसंरचना–1/आरडीएसओ, श्री आशीष बंसल, प्रधान कार्यकारी निदेशक / टीके / एम एण्ड एमसी / रेलवे बोर्ड ने तथा क्षेत्रीय रेलों के मुख्य रेलपथ इंजीनियरों ने हिस्सा लिया। श्री एस. के. झा, महानिदेशक महोदय ने सेमिनार में संस्थान द्वारा की गई उपलब्धियों एवं विभिन्न पाठ्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया। रेलपथ निर्माण में गति, मिशन 3000 एमटी की प्राप्ति, सुरक्षित गाड़ी संचालन, उच्च गति एवं भारी एक्सल लोड के लिए बुनियादी संरचना इत्यादि महत्वपूर्ण मुद्दों एवं उनके समाधान पर सेमिनार का लक्ष्य केंद्रित किया गया।



श्री अनिल कालरा, वरिष्ठ प्राध्यापक रेलपथ–1 ने सेमिनार का संचालन किया। श्री जी. एल. गोयल प्रधान कार्यकारी निदेशक / सिविल इंजीनियरिंग (परियोजना), रेलवे बोर्ड ने संबोधन में बताया कि रेलपथ इंजीनियर की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि रेल संरक्षा का भार रेलपथ इंजीनियरों पर है और किसी भी कार्य को पूरा करने के लिए शॉर्टकट नहीं अपनाना चाहिए। हमें हाई स्पीड / हाई एक्सल लोड रेलपथ निर्माण और मिशन रफ्तार 160 केएमपीएच जैसे अभियानों पर लक्ष्य केंद्रित करना चाहिए।

सेमिनार में कार्यसूची के विभिन्न विषयों जैसे ट्रैक स्ट्रक्चर, यूएसएफडी एण्ड वेल्डिंग, पॉइंट एण्ड क्रॉसिंग, कर्व, एलडब्ल्यूआर, ट्रैक मेंटेनन्स, टीएम एस, ट्रैक मशीन्स, एस्टेब्लिशमेंट और अन्य विभिन्न प्रावधानों पर विस्तार से चर्चा की गई एवं प्रस्तुतीकरण भी दिए गए। सेमिनार का मुख्य उद्देश्य रेलपथ की संरक्षा सुनिश्चित करना एवं नई प्रौद्योगिकियों के निष्पादन में फील्ड में आने वाली चुनौतियों पर विचार–विमर्श करना तथा उनका सर्वोत्तम समाधान खोजने का मंच बताया। सेमिनार में चर्चा के उपरांत निर्णय लिए गए एवं रेलवे बोर्ड को अनुशंसा भेजी गई।

2. मुख्य पुल इंजीनियरों का सेमिनार

संस्थान में दिनांक 14 एवं 15 मार्च, 2024 को श्री एस. के. झा, महानिदेशक की अध्यक्षता में मुख्य पुल इंजीनियर सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में श्री आर. के. गोयल, प्रधान कार्यकारी निदेशक, श्री नीरज कुमार, कार्यकारी निदेशक / सिविल इंजी./ पुल एवं संरचना, रेलवे बोर्ड, श्री राजेश कुमार श्रीवास्तव, कार्यकारी निदेशक, पुल एवं संरचना, आरडीएसओ ने तथा क्षेत्रीय रेलों के मुख्य पुल इंजीनियरों और इरिसेन के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। श्री एस. के. झा, महानिदेशक महोदय ने सेमिनार में संस्थान में वर्तमान में किए जा रहे उन्नयन के बारे में विस्तार से बताया और चर्चित विषयों के महत्व पर मार्गदर्शन दिया।

संरक्षक
सुनील कुमार झा
महानिदेशक
भा.रे.सि.इं.सं.पुणे

मुख्य संपादक
शरद कुमार अग्रवाल
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी
प्राध्यापक, पुल – 1

संपादक
राजू पाल
वरिष्ठ अनुवादक
सहयोग – उदय ताजणे, व.अनुवादक



श्री आर. एन. गुप्ता, वरिष्ठ प्राध्यापक, पुल 1 ने सेमिनार का संचालन किया और सेमिनार का मुख्य उद्देश्य ''पुल परिसंपत्तियों का निर्माण एवं अनुरक्षण के कार्य में आने वाली चुनौतियां और उनका समाधान करना'' बताया। सेमिनार में कार्यसूची की विभिन्न मदों पर अर्थात, बियरिंग, बीएम एस, डिजाइन एवं ड्राइंग, एचएसएफजी बोल्ट, पुल, फैब्रिकेशन, टीएमएस, उपरि सड़क पुल, पादचारी उपरि पुल, कर्मचारी मामलें और संहिता एवं नियमावलियों के विभिन्न प्रावधानों पर विस्तार से चर्चा की गई एवं प्रस्तुतीकरण भी दिए गए। सेमिनार में चर्चा के उपरांत निर्णय लिए गए एवं रेलवे बोर्ड को अनुशंसा भेजी गई।

3. संस्थान में गणतंत्र दिवस का आयोजन



संस्थान में दिनांक 26 जनवरी, 2024 को गणतंत्र दिवस का आयोजन किया गया। श्री एस के गर्ग, अपर महानिदेशक / एसएसटीडब्ल्यू ने ध्वजारोहण किया। राष्ट्रगान के उपरांत अपर महानिदेशक महोदय ने उपस्थित सदस्यों को संबोधित किया एवं शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में अपर महानिदेशक महोदय, संकाय सदस्य गण, प्रशिक्षु अधिकारियों, परिवीक्षार्थियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

4. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 159वीं बैठक

संस्थान में 30 जनवरी, 2024 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 159वीं बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के अध्यक्ष श्री सत्यप्रकाश, अपर महानिदेशक / इरिसेन ने संस्थान में हो रही हिंदी की प्रगति की प्रशंसा की। आगे अपने संबोधन में कहा कि हिंदी भारत की मूल भाषा है और यह भाषा हमारी संस्कृति और संस्कारों की पहचान है, राजभाषा हिंदी को सभी प्रकार से संपन्न और प्रतिष्ठित करना हमारा पावन लक्ष्य है। हम सभी को न सिर्फ इसे अपना संवैधानिक दायित्व मानकर बल्कि नैतिक दायित्व समझकर सरकारी कामकाज के साथ-साथ अपने निजी जीवन में भी हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग पूरे मनोयोग से करना है।



उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं बैठक के उपाध्यक्ष श्री शरद कुमार अग्रवाल ने राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया तथा संबोधन में कहा कि संस्थान पर सरकारी कामकाज में हिंदी का प्रयोग निरंतर बढ़ रहा है, राजभाषा अनुभाग की ओर से प्रयोग बढ़ाने की दिशा में विभिन्न स्तरों पर सकारात्मक प्रयास जारी हैं।

5. संस्थान में 'हास्य कवि सम्मेलन' का आयोजन



दिनांक 22 मार्च, 2024 को संस्थान पर हिंदी कार्यशाला के उपरांत हिंदी प्रश्नमंच और हिंदी काव्य सम्मेलन का आयोजन किया गया। हास्य कवि सम्मेलन के आयोजन का मुख्य उद्देश्य यह बताना था कि हंसी हमारे शरीर में ऑक्सीजनयुक्त हवा के सेवन को बढ़ाती है, हमारे हृदय, फेफड़ों और मांसपेशियों को उत्तेजित करती है और हमारे मस्तिष्क द्वारा जारी एंडोर्फिन को बढ़ाती है। तनाव को कम करने का सबसे अच्छा माध्यम है। इसी श्रृंखला में हंसी के ठहाके की बौछार हेतु कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हिंदी काव्य सम्मेलन की अध्यक्षता श्री सुनील कुमार झा, महानिदेशक ने की। हास्य कवि सम्मेलन में श्री राजेश टैगोर, सहा. कार्य. इंजी. (नि.) जुईनगर, श्री संजय बंसल मुंबई, श्री यशदीप कौशिक हरियाणा एवं श्री किरण जोशी, पुणे आदि कवियों द्वारा हास्य व्यंग्य कविताएं प्रस्तुत की और दर्शकों का मनोरंजन किया। सम्मेलन में सभी संकाय सदस्य, पुणे मंडल के अधिकारीगण पर्यवेक्षक, प्रशिक्षु अधिकारी तथा कर्मचारियों ने उपस्थित रहकर शोभा बढ़ायी और कार्यक्रम को सफल बनाया ।

6. 'पुण्य भूमि भारत की पहचान' पर एसएसटीडब्ल्यू में व्याख्यान



दिनांक 5 फरवरी, 2024 को एसएसटीडब्ल्यू के इंद्रायणी ऑडिटोरियम में 'पुण्य भूमि भारत की पहचान' विषय पर एक व्याख्यान आयोजित किया गया। श्री अंकुर उमडेकर जी ने एक नई पद्धति से भारत के मानचित्र का परिचय करवाया एवं उसकी पवित्रता को उजागर किया। भारत के मुकुट पर फैली विशाल पर्वत श्रृंखला एवं नदियों के उद्गम स्थल से लेकर उसके बहाव के प्राचीन इतिहास को सबके सामने बड़ी सहजता से प्रस्तुत किया। श्री उमडेकर जी ने भारत के प्रत्येक क्षेत्र के महत्व को जनता के बीच रखा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित अपर महानिदेशक श्री एस. के. गर्ग का स्वागत संकाय अध्यक्ष एसएसटीडब्ल्यू श्री बी. के. कुशवाहा द्वारा किया गया। व्याख्याता के

रूप में उपस्थित श्री उमडेकर जी का स्वागत संकाय अध्यक्ष एसएसटीडब्ल्यू श्री बी. के. कुशवाहा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में प्रशिक्षु अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे। भारत से संबंधित विशेष ज्ञानार्जन के इस कार्यक्रम को दर्शकों द्वारा काफी सराहा गया।

7. निकट भविष्य में आयोजित विशेष पाठ्यक्रम वर्ष -2024

1	24102	समेकित	13 मई से 02 अगस्त
2	24506	श्रीलंका रेल के अधिकारियों के लिए विशेष पाठ्यक्रम	13 मई से 24 मई
3	24817	फार्मेशन निर्माण	13 मई से 17 मई
4	24221	वेबिनार : विवाचन में प्रतिवादियों की भूमिका और दायित्व	17 मई से 17 मई
5	24304	स्टेशन विकास पर कार्यशाला	20 मई से 21 मई
6	24818	रेलवे निर्माण परियोजना पर्यवेक्षण (सिविल) की बुनियाद पर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम	20 मई से 25 मई
7	24220	वेबिनार : सेक्शनल गति 130 किमी / घंटे तक सेक्शनल गति को बढ़ाना।	22 मई से 22 मई
8	24305	प्रधान मुख्य इंजीनियर का सेमिनार	24 मई से 25 मई
9	24412	गति शक्ति यूनिट के लिए विशेष पाठ्यक्रम	27 मई से 31 मई
10	24452	बेंटले ओपन रेल	27 मई से 31 मई
11	24610	पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (यूएसएफडी)	27 मई से 01 जून
12	24819	स्टील गर्डर का फैब्रिकेशन और लॉन्चिंग	27 मई से 31 मई
13	24413	आधुनिक सर्वेक्षण	03 जून से 07 जून
14	24507	श्रीलंका रेल के अधिकारियों के लिए विशेष पाठ्यक्रम	03 जून से 14 जून
15	24611	पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (रेलपथ)	03 जून से 21 जून
16	24820	आईआरडब्ल्यूसीएमएस और यूडीएम	03 जून से 07 जून
17	24222	वेबिनार : वक्रों पर टर्नआउट बिछाना एवं उनकी गति क्षमता	07 जून से 07 जून
18	24414	पुल योजना और निर्माण	10 जून से 14 जून
19	24821	यंत्रीकृत अनुरक्षण, रेलपथ टालरन्सेस और रेलपथ निगरानी और रेल ग्राइंडिंग	10 जून से 14 जून
20	24012	एमईएस इंजीनियरों के लिए पाठ्यक्रम	18 जून से 22 जून
21	24415	फार्मेशन निर्माण	18 जून से 22 जून
22	24822	कंक्रीट प्रौद्योगिकी, पुलों के लिए पीएससी/आरसीसी	18 जून से 22 जून
23	24223	वेबिनार : पुलों पर एलडब्ल्यूआर	21 जून से 21 जून
24	24416	कंक्रीट प्रौद्योगिकी और टिकाउपन	24 जून से 28 जून
25	24508	श्रीलंका रेल के अधिकारियों के लिए विशेष पाठ्यक्रम	24 जून से 05 जुलाई
26	24823	अवपथन जांच	24 जून से 28 जून
27	24824	बिल्डिंग योजना, निर्माण एवं अनुरक्षण	24 जून से 28 जून
28	24307	मुख्य योजना निदेशक / मुख्य इंजी. / स्टेशन विकास सेमिनार	27 जून से 28 जून

8. रेल मंत्रालय, रेलवे बोर्ड द्वारा लागू विभिन्न प्रोत्साहन / पुरस्कार योजनाएं

उच्च प्रशासनिक श्रेणी/वरिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी अधिकारियों के लिए पुरस्कार योजना

- ''कमलापति त्रिपाठी राजभाषा स्वर्ण पदक'', महाप्रबंधक एवं उनसे ऊपर के स्तर के अधिकारियों के लिए, स्वर्ण पदक, ₹ 10,000/- नकद पुरस्कार।
- ''रेल मंत्री राजभाषा रजत पदक'' वरिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी एवं उनसे ऊपर के स्तर के अधिकारियों के लिए, रजत पदक, ₹ 8000/- नकद पुरस्कार।

तकनीकी मौलिक पुस्तक लेखन पुरस्कार योजना

- ''लाल बहादुर शास्त्री तकनीकी मौलिक लेखन पुरस्कार योजना'' तकनीकी रेल विषयों पर रेलकर्मियों द्वारा मूल रूप से हिंदी में लिखित पुस्तकों के लिए प्रथम- ₹ 20,000/-, द्वितीय - ₹ 10,000/-, तृतीय - ₹ 7,000/- एवं प्रमाण पत्र ।
- ''राजभाषा गौरव पुरस्कार'' हिंदी में मौलिक पुस्तक लेखन हेतु राजभाषा गौरव पुरस्कार योजना है। प्रथम पुरस्कार ₹ 2,00,000/- प्रमाणपत्र तथा स्मृति चिन्ह, द्वितीय पुरस्कार ₹ 1,25,000/- प्रमाणपत्र तथा स्मृति चिन्ह, तृतीय पुरस्कार ₹ 75,000/- प्रमाणपत्र तथा स्मृति चिह्न।

कहानी,उपन्यास, नाटक, काव्य एवं गजल संग्रह के लिए पुरस्कार योजना

- ''मैथिलीशरण गुप्त पुरस्कार योजना'' काव्य तथा गजल संग्रह के लिए, प्रथम- ₹ 20,000/-, द्वितीय - ₹ 10,000/-, तृतीय- ₹ 7,000/- एवं प्रमाण पत्र ।
- ''प्रेमचंद पुरस्कार योजना'' कथा, कहानी, उपन्यास, नाटक एवं अन्य गद्य साहित्य के लिए - प्रथम-₹ 20,000/-, द्वितीय - ₹ 10,000/-, तृतीय-₹ 7,000/- एवं प्रमाण पत्र ।
- ''राजभाषा व्यक्तिगत नकद पुरस्कार योजना'' कनिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी तक के अधिकारी तथा अराजपत्रित वर्ग के लिए (प्रत्येक रेल के लिए निर्धारित कोटे के अनुसार) ₹ 3000/- एवं प्रमाणपत्र।

हिंदी निबंध, वाक्, टिप्पण आलेखन पुरस्कार योजना

- ''हिंदी निबंध, टिप्पण एवं प्रारूप लेखन तथा वाक् प्रतियोगिताएं'' - विभिन्न भाषा-भाषी कर्मचारी तथा अधिकारी (कनिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी तक) ही भाग ले सकते हैं और क्षेत्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी ही अखिल रेल स्तर पर इस योजना में भाग ले सकते हैं।

- **क्षेत्रीय रेल** स्तर पर प्रथम–₹.2,000/–, द्वितीय–₹.1,600/–, तृतीय–₹.1,200/– प्रेरणा ₹.800/– एवं प्रमाण पत्र।
- **अखिल रेल** स्तर पर – प्रथम–₹.5,000/–, द्वितीय–₹.4,000/– , तृतीय–₹.3,000/– प्रेरणा –₹.2,500/– एवं प्रमाण पत्र ।

रेल यात्रा वृतांत एवं रेल मंत्री निबंध प्रतियोगिता

- **''रेल यात्रा वृत्तांत पुरस्कार योजना'' –** इस योजना में सभी भारतीय नागरिक भाग ले सकते हैं। वृत्तांत कम से कम 3000 शब्दों का होना चाहिए – प्रथम–₹ 10,000/–, द्वितीय–₹ 8,000/–, तृतीय–₹ 6,000/– प्रेरणा –₹.4,000/– ।

''रेल मंत्री हिंदी निबंध प्रतियोगिता''

(क) इस योजना के अंतर्गत राजपत्रित और अराजपत्रित वर्गों के लिए 2–2 पुरस्कार निर्धारित हैं। (ख) निबंध रेल संचालन एवं प्रबंधन विषय से संबंधित होने चाहिए। 03 महीनों की रेल सेवा पूर्ण कर चुके रेलकर्मी इस प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं।

राजपत्रित – प्रथम–₹ 6,000/–, द्वितीय–₹ 4,000/– एवं प्रमाणपत्र ।

अराजपत्रित – प्रथम–₹ 6,000/–, द्वितीय–₹ 4,000/– एवं प्रमाणपत्र

हिंदी में अधिकाधिक कार्य करने के लिए 20,000/10,000 शब्द योजना

- ''हिंदी डिक्टेशन पुरस्कार योजना'' हिंदी भाषी अधिकारियों द्वारा वर्ष में कम से कम 20,000 तथा हिंदीतर भाषी अधिकारियों द्वारा कम से कम 10000 शब्दों का डिक्टेशन देने पर– 'क' और 'ख' क्षेत्र – ₹ 5,000/–, 'ग' क्षेत्र– ₹ 5000/– एवं प्रमाणपत्र ।
- 20,000/10,000 शब्द योजना केंद्रीय सरकार के प्रत्येक मंत्रालय, विभाग और संबद्ध कार्यालय के लिए स्वतंत्र रुप से– प्रथम – ₹ 5,000/, द्वितीय –₹ 3,000/–, तृतीय –₹ 2,000/– ।

9. स्वागत एवं विदाई



श्री सब्यसाची राय, सहायक कार्यकारी इंजीनियर / सीएसपी / एसआईएम, उत्तर पश्चिम रेल ने दिनांक 04.03.2024 को इरिसेन में सहायक प्राध्यापक / रेलपथ 3 के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।



श्री अनिल नायर, सहायक वित्त सलाहकार (निर्माण) ने दिनांक 04.03.2024 को सह प्राध्यापक (वित्त एवं लेखा) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।



श्री आशिष रेलेकर, सी.से.इंजी. (एसटीआरआई) / सीडब्ल्यूएम / मनमाड़ ने दिनांक 04.03.2024 को वरिष्ठ तकनीकी सहायक का पदभार ग्रहण किया। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।



संस्थान में कार्यरत **श्री शिरीष मोरे,** प्रोजेक्टनिस्ट की सेवानिवृत्ति दिनांक 29.02.2024 को हुई। सेवानिवृत्ति पर संस्थान आपकी दीर्घायु एवं अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता है और शुभकामनाएं देता है।

10. कार्यालयीन उपयोग हेतु सामान्य टिप्पणियां

According to	के अनुसार
According to convenience	सुविधानुसार
Administrative sanction may be obtained	प्रशासनिक मंजूरी प्राप्त की जाए
Advice awaited	सलाह की प्रतीक्षा है
Agreed to	सहमति है
Approved as per remark	टिप्पणी के अनुसार अनुमोदित
Approved / Draft approved	अनुमोदित / मसौदा अनुमोदित
As Before	पूर्ववत / यथा पूर्व
As directed	निदेशानुसार
Await reply	उत्तर की प्रतीक्षा करें
Discussed	चर्चा की
Do the needful	आवश्यक कार्रवाई करें
Expedite action	कार्रवाई शीघ्र करें
Explanation may be called for	स्पष्टीकरण मांगा जाए
Follow-up action	अनुवर्ती कार्रवाई
For approval please	अनुमोदन के लिए प्रस्तुत
For orders please	आदेशार्थ प्रस्तुत
For perusal	अवलोकन हेतु
For sanction please	मंजूरी के लिए प्रस्तुत
In consideration of	को ध्यान में रखते हुए
In pursuance	के अनुसरण में / के अनुसार
Inform all concerned	सर्व संबंधित को सूचित करें
Issue reminder	अनुस्मारक भेजें
I agree	मैं सहमत हूं
In consequence of	के फलस्वरूप
In due course	यथावधि
Keep pending	रोक रखें
May be considered	विचार किया जाए
Please discuss/speak	कृपया चर्चा / बात करें
Please issue as amended	यथासंशोधित जारी करें
Till further orders	अन्य आदेश जारी होने तक
Under consideration	विचाराधीन
With retrospective effect	पूर्वलक्षी प्रभाव से
With regards	सादर

जिस मानव की बुद्धि का विकास नहीं होता या जो अविवेकी होता है, मानवता से गिर जाता है। – चाणक्य

श्री शरद कुमार अग्रवाल, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, पुल 1 भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे–। द्वारा केवल सीमित नि:शुल्क वितरण हेतु प्रकाशित ।